10 फरवरी, 2022 • वार्षिकांक

उ. म. शि. अनु. संस्थान
पटना

उद्योग संवाद

उपेन्द्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान की त्रैमासिक पत्रिका

बिहार सरकार
उद्योग विभाग

उद्योग मंत्री का एक साल बेमिसाल

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में आगे बढ़ता बिहार

भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला में गोल्ड मेडल

उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने कहा कि बिहार पवेलियन को मिला गोल्ड मेडल न सिर्फ बिहार का सम्मान है बल्कि इससे बिहार के ग्रामीण इलाकों में पूरी निष्ठा से, मेहनत और लगन से, पारंपरिक हुनर और लोक कला संस्कृति को आगे बढ़ाने में जुटे हस्तशिल्पियों और बुनकरों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहन मिला है।

देश की राजधानी नई दिल्ली के प्रगति मैदान में लगने वाले भारत के सबसे बड़े व्यापारिक प्रोत्साहन आयोजन भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला में बिहार ने स्वर्णिम चमक बिखेरी। 14 नवंबर से 27 नवंबर 2021 के बीच आयोजित इस मेला के बिहार पवेलियन में 41 स्टॉल सजाए गए थे जिसमें बिहार की पारंपरिक लोक कला एवं संस्कृति का प्रतिनिधित्व करने वाले उत्पादों को प्रदर्शनी एवं बिक्री के लिए रखा गया।

बिहार पवेलियन पूरी तरह से प्राकृतिक सामग्रियों से बनाया गया। मधुबनी पेंटिंग की प्रसिद्ध कलाकार पद्मश्री दुलारी देवी के साथ-साथ अनेक कलाकारों ने मेले में बिहार की सांस्कृतिक विरासत की जीवंत प्रस्तुति दी। बिहार के उद्योग मंत्री श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने बिहार दिवस समारोह और बिहार मंडप का शुभारंभ किया जिसमें संसद सदस्य श्री मनोज तिवारी और बिहार विधान परिषद सदस्य श्री संजय मयूख भी मौजूद रहे। बिहार दिवस के दिन बिहार के कलाकारों ने बिहार की पहचान के अनुकूल सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करके लोगो का दिल जीत लिया।

24 राज्यों और 10 देशों की भागीदारी वाले भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला में समग्र प्रस्तुति के लिए बिहार को स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। पुरस्कार मिलने पर सभी बिहार वासियों को बधाई देते हुए उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने कहा कि बिहार पवेलियन को मिला गोल्ड मेडल न सिर्फ बिहार का सम्मान है बल्कि इससे बिहार के ग्रामीण इलाकों में पूरी निष्ठा से, मेहनत और लगन से, पारंपरिक हुनर एवं लोक कला संस्कृति को आगे बढ़ाने में जुटे हस्तशिल्पियों और बुनकरों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहन मिला है। ●

वर्ष 4, अंक-7, जनवरी-मार्च, 2022

उद्योग संवाद
त्रैमासिक

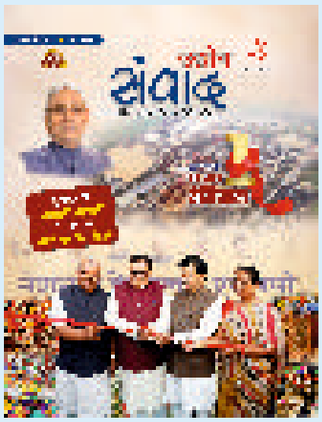

संरक्षक :
सैयद शाहनवाज़ हुसैन
उद्योग मंत्री, बिहार

प्रधान संपादक :
ब्रजेश मेहरोत्रा
अपर मुख्य सचिव, उद्योग विभाग, बिहार

संपादक :
दिलीप कुमार
विशेष सचिव, उद्योग विभाग, बिहार

कार्यकारी संपादक :
मनोज कुमार 'बच्चन'
manojkbachchan@gmail.com

संपादकीय संपर्क :
उपेन्द्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान
पाटलिपुत्र औद्योगिक क्षेत्र, पटना–800 013
E-mail : udyogsamvadbihar@gmail.com

प्रिन्ट प्रोडक्शन
ज्ञान गंगा क्रियेशन्स

विषय सूची

- प्रधान संपादक की कलम से 04
- नई उम्मीदों का उदय 05
- 38 हजार करोड़ के निवेश प्रस्तावों से मिली ताकत 07
- देश का इथेनॉल हब बनने की ओर बढ़ता बिहार 08
- कोविड-19 की चुनौती और ऑक्सीजन पॉलिसी 10
- युवा उद्यमियों की उड़ान : मुख्यमंत्री उद्यमी योजना 11
- मुख्यमंत्री कलस्टर विकास योजना सबका साथ, सबका विकास 12
- कोविड-19 में रोजगार सृजन और कौशल विकास 13
- बुनकरों को मिली बुनियादी ताकत 14
- रेशम की प्रगति के लिए विशेष पहल 15
- सैयद शाहनवाज़ हुसैन : खादी और हस्तशिल्प के ब्रांड एंबेसडर 16
- समाचार पत्रों के झरोखे से 18
- राष्ट्रपति जी के भ्रमण से खादी मॉल हुआ जगमग 19
- विकास के नये केन्द्र बनेंगे औद्योगिक पार्क 20
- उपेन्द्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान : कलाकारों का सच्चा हमसफर 21
- कला जगत और किताबों को मिला उद्योग मंत्री का साथ 22
- बिहार इम्पोरियम और अंबापाली इम्पोरियम को मिला नया जीवन 23
- मेलों के आयोजन से मिला बुनकरों को भरपूर मौका 24
- बिहार के उद्योग विभाग का अमृत महोत्सव 25
- दृढ़ संकल्प, स्पष्ट नजरिया 26
- पीएम गतिशक्ति से देश बनेगा आर्थिक महाशक्ति 27
- बरौनी में वरूण बेवरेज लि.(पेप्सी) का प्लांट तैयार 28
- निरंतर संवाद से बनता विश्वास 29
- खिल उठे 25 साल से मुरझाए चेहरे 30
- तीन निगमों के कर्मियों को मिला 106 करोड़ 31
- बोलती तस्वीरें 32

इस अंक में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार लेखकों के हैं
इससे विभाग व सम्पादक-मण्डल का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

प्रधान संपादक की कलम से...

बिहार राज्य में औद्योगिक वातावरण के निर्माण एवं रोजगार सृजन के लिए उद्योग विभाग समर्पित है और बड़े एवं मझोले आकार के उद्योगों के साथ-साथ सूक्ष्म, लघु एवं कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति के तहत वर्ष 2021-22 में प्राप्त 521 आवेदनों को स्टेज-1 क्लीयरेंस दिया गया है जिसमें प्रस्तावित निवेश की राशि लगभग 38 हजार करोड़ है। 17 मार्च, 2021 से लागू एथेनॉल उत्पादन प्रोत्साहन नीति के तहत प्रदेश में 30,000 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश का प्रस्ताव प्राप्त हुआ। 151 प्राप्त आवेदनों में से 17 इकाइयों का तेल उत्पादक कंपनियों के साथ इकरारनामा हुआ। अस्थायी और वैकल्पिक ईंधन को प्रोत्साहित करने तथा जीवाश्म ईंधन तेल के आयात को कम करने की दिशा में यह मील का पत्थर साबित होगा।

कोविड-19 संकट के दौरान स्वास्थ्य क्षेत्र में जब ऑक्सीजन की कमी महसूस की गई तो विभाग द्वारा ऑक्सीजन उत्पादन प्रोत्साहन नीति बनाई गई जिसमें ऑक्सीजन इकाई की स्थापना के लिए 30 प्रतिशत पूंजीगत अनुदान तथा बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति के तहत उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्र को मिलने वाले सभी लाभ प्रदान किए गए।

सात निश्चय योजना के तहत राज्य सरकार द्वारा नए उद्यमियों को प्रोत्साहित तथा पुष्पित-पल्लवित करने के लिए बिहार स्टार्टअप नीति और मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के माध्यम से जरूरी सहायता प्रदान की जा रही है। बिहार स्टार्टअप नीति के तहत युवाओं को वित्तीय सहायता, इनक्यूबेशन सेंटर, फंडिंग, प्रचार-प्रसार और प्रमाणीकरण आदि की सुविधा दी जा रही है। मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत युवाओं को पाँच लाख रूपये अनुदान एवं पाँच लाख रूपये ऋण के रूप में कुल 10 लाख रुपए तक की सहायता प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत इस वर्ष 8000 नए उद्यमियों के चयन की प्रारंभिक योजना को दुगना करते हुए 16000 नए उद्यमियों को आर्थिक सहायता और प्रशिक्षण के लिए चयनित किया गया, जो एक बड़ी उपलब्धि है।

उद्योग विभाग द्वारा हस्तकरघा तथा रेशम क्षेत्र के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं और बुनकरों को कार्यशील पूंजी भी उपलब्ध कराया जा रहा है। हस्तशिल्पियों और बुनकरों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक स्तर के अनेक मेलों का आयोजन भी किया गया। इन मेलों में ग्राहक-उद्यमी संवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए। उद्यमियों एवं उद्यमी संगठनों के साथ भी विभाग द्वारा नियमित संवाद किया गया और उनकी सलाह के आधार पर विकास कार्यक्रम तैयार किए गए। इससे उद्यमियों का विश्वास बढ़ा है और वे नए बिहार के निर्माण के लिए पहले से अधिक प्रेरित हुए हैं।

उद्योग संवाद के इस अंक में विभाग की पिछले एक साल की कुछ प्रमुख उपलब्धियों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया है, जिसके कारण यह अंक संग्रहनीय हो गया है।

ब्रजेश मेहरोत्रा
प्रधान संपादक
अपर मुख्य सचिव, उद्योग विभाग, पटना

नई उम्मीदों का उदय

सैयद शाहनवाज़ हुसैन की पहल से नाउम्मीदी के बीच उम्मीद का कमल खिला। 25 साल से मुरझाए चेहरे खिल उठे। दुआओं के लिए हाथ उपर उठे। शाहनवाज़ हुसैन फिर भी सहज बने हुए हैं। उद्योग मंत्री के रूप में यह उनका पहला साल है।

9 फरवरी 2021 को बिहार के औद्योगिक क्षितिज पर एक नए नक्षत्र का उभार हुआ। अंतरराष्ट्रीय पहचान रखने वाले तथा केंद्र सरकार में तीन बार मंत्री रह चुके सैयद शाहनवाज़ हुसैन को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उद्योग विभाग की जिम्मेदारी सौंपी। इसी के साथ उम्मीदों का नया सूरज उदित हुआ। प्रदेश की गरीबी और बेरोजगारी को दूर करने के लिए उद्योगों का विकास जरूरी है। माना गया कि सैयद शाहनवाज़ हुसैन के नेतृत्व में बिहार का उद्योग जगत नए उत्साह के साथ काम करेगा। उद्योग मंत्री बनते ही सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने भी एलान कर दिया- हमारा मिशन है कि बिहार के लोगों को बिहार में ही काम मिले। उन्हें बाहर न जाना पड़े। यदि बिहार में उद्योग होगा तो बिहार के लोग यहीं काम करेंगे। अपने प्रथम संवाद में ही उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि बिहार में खाद्य प्रसंस्करण और टेक्सटाइल जैसे उद्योग के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। बिहार में एक बड़ा बाजार है और कुशल श्रम भी है। उन्होंने कहा कि बिहार में अधिक से अधिक फैक्ट्रियों का लगाने की कोशिश करेंगे।

उद्योग मंत्री बनते ही प्रथम दिन सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने जो कहा, उसे हकीकत में तब्दील करने के लिए वह पूरे साल लगे रहे। कोविड-19 के कारण स्वतंत्र आवागमन की सीमा के बावजूद सैयद शाहनवाज़ हुसैन उद्यमियों को बिहार में उद्योग लगाने के लिए आमंत्रित करने हेतु बंगाल से भीलवाड़ा और मोतिहारी से मुंबई तक गए। देश के बड़े-बड़े उद्योग संगठनों के कार्यक्रमों में शिरकत करते हुए उन्होंने उद्यमियों को बिहार आने के लिए खुला निमंत्रण दिया। उन्होंने तो यहाँ तक कहा कि यदि कोई उद्यमी 100 करोड़ तक की योजना बिहार में लगाने के लिए आता है तो उसे रिसीव करने के लिए वह खुद एयरपोर्ट तक जाएंगे। उनकी प्रतिबद्धता और कर्मठता से उद्योग जगत को नई ताकत मिली। देश-विदेश के उद्यमी बिहार में निवेश करने के लिए आए जिससे बिहार का औद्योगिक उत्पादन बढ़ा।

सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने खादी, हथकरघा और हस्तशिल्प एवं ग्रामोद्योग की अहमियत को भी समझा। बिहार जैसे बड़ी आबादी वाले प्रदेश में अधिक से अधिक रोजगार सृजित किए जाने की आवश्यकता होती है। लघु और मध्यम आकार की औद्योगिक इकाइयों में अधिक लोगों को रोजगार देने की संभावना होती है। खादी और हस्तशिल्प कुटीर उद्योग के तहत आते हैं जिसमें एक ही परिवार के कई सदस्य कताई से बुनाई और विपणन तक के कार्य देखते हैं। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान स्वदेशी पर बल देते हुए खादी एवं ग्रामोद्योग को प्रोत्साहित किया गया था। बिहार के बुनकरों और हस्तशिल्पियों को बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने अनेक अभिनव प्रयास किए। दिल्ली के अंबापाली इम्पोरियम और पटना के बिहार इम्पोरियम का आधुनिकीकरण किया गया। नई पीढ़ी को खादी से जोड़ने के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त खादी मॉल का पटना में

निर्माण किया गया तथा पूर्णिया एवं मुजफ्फरपुर में नए खादी मॉल के निर्माण की योजना बनाई गई। खादी मॉल की परिकल्पना से देश के महामहिम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद भी प्रभावित हुए। उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन के आमंत्रण पर महामहिम राष्ट्रपति अपनी बिहार यात्रा के दौरान सपरिवार खादी मॉल में गए और वहां शॉपिंग की।

नए और स्थापित उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए सैयद शाहनवाज़ हुसैन सदैव प्रयत्नशील रहते हैं। उद्यमियों के साथ संवाद करने और उनकी वास्तविक समस्याओं को समझने के लिए वह बिना थके राज्य के विभिन्न जिलों का भ्रमण करते रहते हैं। पूरे साल में एक लाख किलोमीटर से अधिक की सड़क यात्रा इस बात का सबूत है कि सैयद शाहनवाज़ हुसैन के कदम कभी रुके नहीं। सुबह में सिवान, दोपहर में पटना और शाम में बेगूसराय में व्यापारियों से मिलते हुए भागलपुर तक पहुंचना साबित करता है कि उनके जीवन में किस प्रकार की रवानगी है। ऐसा लगता है मानो उनके पांव में पहिया लगे हुए हैं। बातचीत के दौरान सदैव वह एक ही धुन में लगे दिखते

हैं-बिहार में ज्यादा से ज्यादा उद्योग लगे। बिहार में ज्यादा से ज्यादा निवेश हो। बिहार के युवाओं को ज्यादा से ज्यादा रोजगार मिले। जब भी मौका मिला, उन्होंने सीमाओं को तोड़ते हुए बड़े निर्णय लिये। मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत पहले प्रदेश के 8000 युवाओं को स्वरोजगार हेतु सहायता दिए जाने की योजना बनाई गई थी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को विश्वास में लेते हुए सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के लाभार्थियों की संख्या को दुगुना करते हुए 16000 नए उद्यमियों को स्वरोजगार हेतु सहायता देने का निर्णय लिया। इस योजना के तहत बिहार में उद्यम शुरू करने के लिए पाँच लाख रुपए ऋण और पाँच लाख रुपए अनुदान के रूप में दिया जाता है।

बिहार में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अनेक निगम भी कार्यरत रहे हैं। इनमें से कई निगम कुप्रबंधन और वित्तीय समस्याओं के कारण बंदी के कगार पर पहुंच गए थे। कई निगमों में काम तो बंद हुए ही, 1995 से कर्मचारियों के वेतन एवं पेंशन भी बंद हो गए। कर्मचारी पिछले 25 साल से बेहाल रहे। सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने पहल करते हुए बंदी के कगार पर पहुंचे विभिन्न निगमों और सरकारी मिलों के कर्मचारियों को वेतन एवं दूसरे लाभ का भुगतान सुनिश्चित कराया। बिहार राज्य वस्त्र निगम, बिहार राज्य हथकरघा एवं हस्तशिल्प निगम, बिहार राज्य औषधि एवं रसायन निगम, बिहार स्पन सिल्क मिल, सहरसा पेपर मिल तथा बिहार स्कूटर लिमिटेड के कर्मचारियों को उनके बकाया वेतन का भुगतान प्रारंभ हुआ।

नाउम्मीदी के बीच उम्मीद का कमल खिला। 25 साल से मुरझाए चेहरे खिल उठे। दुआओं के लिए हाथ ऊपर उठे। शाहनवाज़ हुसैन फिर भी सहज बने हुए हैं। उद्योग मंत्री के रूप में यह उनका पहला साल है। दृढ़ संकल्प के साथ सफर जारी है। शायराना अंदाज में सैयद शाहनवाज़ हुसैन खुद कहते हैं-

लिखी है स्याही से जो वह तहरीर बदलेंगे
हम अपने बिहार में हर शख्स की तकदीर बदलेंगे
गली-कूचे दरो-दीवारें वाशिंदे यही होंगे मगर
बिहार के नौजवानों के चेहरे से मायूसी की तस्वीर बदलेंगे।

●

38 हजार करोड़ के निवेश प्रस्तावों से मिली ताकत

521 अनुमोदित प्रस्तावों से बिहार में 38 हजार करोड़ रुपयों का निवेश होगा जो अपने आप में एक नया कीर्तिमान है। निवेश के बढ़ने से पूरे उद्योग जगत को ताकत मिलेगी और रोजगार के नए अवसरों का सृजन होगा।

बिहार में उद्योगों के विकास, नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना, पुरानी औद्योगिक इकाइयों की क्षमता का विस्तार एवं आधुनिकीकरण के लिए राज्य सरकार द्वारा बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति 2016 के तहत प्राप्त होने वाले आवेदनों को उच्च प्राथमिकता, प्राथमिकता और गैर प्राथमिकता कोटि में विभाजित करते हुए उन्हें स्टाम्प और निबंधन शुल्क की प्रतिपूर्ति, भूमि समपरिवर्तन शुल्क की प्रतिपूर्ति, ब्याज अनुदान तथा कर संबंधी अनुदान प्रदान किया जाता है। विगत एक साल में उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन की सक्रियता के कारण बिहार में 528 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए जिसमें एसआईपीबी द्वारा 521 प्रस्तावों को अनुमोदित किया गया। अनुमोदित प्रस्तावों से बिहार में 38 हजार करोड़ रुपयों का निवेश होगा जो अपने आप में एक नया कीर्तिमान है। निवेश के बढ़ने से पूरे उद्योग जगत को ताकत मिलेगी और रोजगार के नए अवसरों का सृजन होगा। उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन कहते हैं- बिहार के पास बेशक समंदर नहीं है, लेकिन बिहार के पास हिमालय जैसा बुलंद हौसला है। दूसरे राज्यों में उद्योगों की सफलता के पीछे बिहार की श्रम शक्ति का अहम योगदान है। जब बिहार में उद्योग लगेगा तो बिहार के लोग उसे सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। ●

सैयद शाहनवाज़ हुसैन कहते हैं- बिहार के पास बेशक समंदर नहीं है, लेकिन बिहार के पास हिमालय जैसा बुलंद हौसला है। दूसरे राज्यों में उद्योगों की सफलता के पीछे बिहार की श्रम शक्ति का अहम योगदान है। जब बिहार में उद्योग लगेगा तो बिहार के लोग उसे सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

देश का इथेनॉल हब
बनने की ओर बढ़ता बिहार

4 इथेनॉल ईकाईयों में उत्पादन का ट्रायल रन शुरू ◆ पहले रचण में लग रही हैं 17 इथेनॉल ईकाईयां

9 फरवरी 2021 को बिहार के मंत्री पद की शपथ और 10 फरवरी 2021 को बिहार के उद्योग मंत्री का कार्यभार संभालने के साथ ही केंद्र सरकार में तीन बार मंत्री पद का अनुभव रखने वाले पूर्व केंद्रीय मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने बिहार को उद्योग क्षेत्र में असीम ऊंचाई पर पहुंचाने का लक्ष्य तय कर लिया। उन्होंने निश्चय किया कि जितनी भी कोशिशें करनी हो, जितना भी संघर्ष करना पड़े, जन्मभूमि बिहार की खातिर लक्ष्य हासिल करके ही रहना है।

बिहार की तकदीर तस्वीर संवारने के मिशन में पहला सबसे बड़ा कदम जो उन्होंने उठाया वो था बिहार को देश का इथेनॉल हब बनाने के लिए बिहार इथेनॉल उत्पादन प्रोत्साहन नीति 2021 का ऐलान। 19 मार्च 2021 को बिहार के उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने पटना के मौर्या होटल में आयोजित कार्यक्रम में इथेनॉल उत्पादन प्रोत्साहन नीति 2021 को लॉन्च कर दिया। इसके साथ ही बिहार अपनी अलग इथेनॉल पॉलिसी लाने वाला देश का पहला राज्य बना।

बिहार में इथेनॉल उत्पादन इकाई लगाने पर कई तरह की सब्सिडी की व्यवस्था करने वाली इथेनॉल पॉलिसी आते ही बिहार के उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन इसके प्रचार-प्रसार में जुट गए। विभाग के द्वारा कई कार्यक्रमों के साथ उन्होंने खुद भी मोर्चा संभाल लिया। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता समेत देश के कई शहरों में उद्योगपतियों के साथ बैठकें की, उद्योग संगठनों के साथ संवाद किया और फिर उन्हें बिहार में इथेनॉल उद्योग की संभावनाओं और फायदे के बारे में समझाया।

19 मार्च 2021 को बिहार के उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने पटना के मौर्या होटल में आयोजित कार्यक्रम में इथेनॉल उत्पादन प्रोत्साहन नीति 2021 को लॉन्च कर दिया। इसके साथ ही बिहार अपनी अलग इथेनॉल पॉलिसी लाने वाला देश का पहला राज्य बना।

परिणाम ये रहा कि 30 जून 2021 को इथेनॉल पॉलिसी के तहत आवेदन करने की मियाद खत्म होते-होते 151 इथेनॉल उत्पादन इकाइयों की स्थापना के लिए 30 हजार, 382 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव आए जिसे राज्य निवेश प्रोत्साहन परिषद में स्वीकृत किया गया। लेकिन अचानक इसमें एक नया मोड़ आया जब तेल विपणन कंपनियों ने इथेनॉल आपूर्ति के लिए बिहार को काफी कम कोटा दिया।

बिहार देश में इथेनॉल उत्पादन का सबसे बड़ा हब बन सके, इसकी सारी संभावनाएं हैं। यहां कच्चे माल की पर्याप्त उपलब्धता है तो पानी

और श्रमशक्ति की भी कमी नहीं। लेकिन बिहार को सिर्फ 18.50 करोड़ लीटर का सालाना कोटा मिला जो कि बिहार की क्षमता और निवेशकों की तैयारी की तुलना में काफी कम था। फिर बिहार के उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने कोशिशें शुरु की। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी से कई मुलाकातों के साथ सहकारिता मंत्रालय का भी जिम्मा संभाल रहे गृहमंत्री अमित शाह से भी मिले और बिहार का पक्ष रखा। केंद्र सरकार में बिहार के अन्य मंत्रियों से भी मिलकर बिहार का इथेनॉल आपूर्ति कोटा बढ़ाने के लिए प्रयास करने की अपील की। इन प्रयासों के भी अच्छे नतीजे निकले। दीपावली की पूर्व संध्या पर बिहार को तोहफा

बिहार के उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन की कड़ी मेहनत और बिहार को देश का इथेनॉल हब बनाने की उनकी जिद का परिणाम है कि पहले चरण में बिहार में 17 इथेनॉल ईकाईयों की स्थापना का कार्य तेजी से चल रहा है।

मिला। बिहार का वार्षिक इथेनॉल आपूर्ति कोटा 18.50 करोड़ लीटर से बढ़ाकर 35.28 करोड़ लीटर प्रति वर्ष कर दिया गया। इससे बिहार में 17 नई इथेनॉल इकाइयों की स्थापना का रास्ता खुल गया।

बिहार के उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन की कड़ी मेहनत और बिहार को देश का इथेनॉल हब बनाने की उनकी जिद का परिणाम है कि पहले चरण में बिहार में 17 इथेनॉल इकाईयों की स्थापना का कार्य तेजी से चल रहा है।

गोपालगंज में दो और भोजपुर में एक नई, इथेनॉल ईकाईयां उत्पादन शुरु करने की तैयारी में हैं तो पूर्णिया में भी एक इथेनॉल इकाई निर्माण के आखिरी चरण में है। इसके अलावा मुजफ्फरपुर में चार, नालंदा में चार, मधुबनी में दो और एक-एक इकाई बेगूसराय, नवादा, भागलपुर और बक्सर में स्थापित होने जा रही हैं।

नए साल के पहले और दूसरे सप्ताह में बिहार में पहले चरण में इथेनॉल उत्पादन शुरु करने जा रही सभी 17 इथेनॉल उत्पादन इकाईयों ने मुंबई में तेल मार्केटिंग कंपनी के साथ इथेनॉल आपूर्ति का करार कर लिया है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2007 में अनाज (टूटे चावल, मक्का व अन्य) से इथेनॉल बनाने की इजाजत मांगी थी जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा बॉयोफ्यूल को लेकर नीति लाए जाने के बाद स्वीकृति मिल गई। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2007 में जो बिहार को इथेनॉल का हब बनाने का सपना देखा था, उसे उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन दिन-रात की मेहनत और बिहार को उद्योग क्षेत्र में असीम ऊंचाई प्रदान करने की जिद से पूरा कर रहे हैं। ●

कोविड-19
की चुनौती और
ऑक्सीजन पॉलिसी

वैश्विक महामारी कोविड-19 की चपेट में जब ज्यादा लोग आने लगे तो ऑक्सीजन की कमी को लेकर देश के स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे पर भारी दबाव पड़ा। मरीजों की ऑक्सीजन संबंधी आवश्यकताओं की सभी अस्पतालों में पर्याप्त आपूर्ति के लिए उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन के नेतृत्व में उद्योग विभाग आगे आया। विभाग के अधिकारियों ने ऐसी औद्योगिक इकाइयों को चिन्हित किया जहां उत्पादन के क्रम में ऑक्सीजन का इस्तेमाल होता है। इसके बाद आवश्यकतानुसार अलग-अलग जगहों पर ऑक्सीजन के सिलेंडरों की सप्लाई सुनिश्चित की। विभाग द्वारा ऑक्सीजन के संकट से निपटने के लिए ऑक्सीजन उत्पादन प्रोत्साहन नीति-2021 भी लागू की गई जिसका उद्देश्य राज्य में ऑक्सीजन के उत्पादन में वृद्धि करना, आयात पर निर्भरता कम करना तथा स्थानीय रोजगार के अवसर पैदा करना रहा। इस नीति के तहत योग्य इकाई को 30% पूंजीगत अनुदान तथा बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति-2016 के तहत उच्च प्राथमिकता वाले प्रक्षेत्र को मिलने वाली सभी सुविधाएं प्रदान की गईं। इस नीति के तहत 38 आवेदनों को स्टेज-वन का क्लीयरेंस दिया गया जिसमें प्रस्तावित निवेश की राशि 330.72 करोड रुपए रही।

विभाग द्वारा ऑक्सीजन के संकट से निपटने के लिए ऑक्सीजन उत्पादन प्रोत्साहन नीति-2021 भी लागू की गई जिसका उद्देश्य राज्य में ऑक्सीजन के उत्पादन में वृद्धि करना, आयात पर निर्भरता कम करना तथा स्थानीय रोजगार के अवसर पैदा करना रहा।

•

युवा उद्यमियों की उड़ान

मुख्यमंत्री उद्यमी योजना 16000 नए लाभार्थी

बिहार के लोगों को उद्यमिता एवं स्वरोजगार हेतु संसाधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत लागू चार योजनाओं- मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति उद्यमी योजना, मुख्यमंत्री अति पिछड़ा वर्ग उद्यमी योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना तथा मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना के तहत वर्ष के प्रारंभ में 8000 लाभार्थियों के चयन की योजना बनाई गई थी। इन 4 योजनाओं के तहत 62,324 लोगों ने आवेदन किए जिसमें 42,477 आवेदन चयन के योग्य पाए गए। इस महत्वकांक्षी कार्यक्रम के तहत आए आवेदनों से उत्साहित उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सहमति से लाभुकों की संख्या को 8000 से बढ़ाकर 16000 कर दिया । लाभुकों के निर्धारण में पूर्ण पारदर्शिता और निष्पक्षता को सुनिश्चित करने के लिए कंप्यूटर आधारित रैंडमाइजेशन करने का निर्णय लिया गया। सभी चयन योग्य आवेदकों के नंबर को कंप्यूटर में डाल कर रैंडम आधार पर 15,986 लाभुकों का चयन मात्र दो घंटे में कर लिया गया। चयन प्रक्रिया का सीधा प्रसारण सोशल मीडिया पर किया गया और चयनित लाभार्थियों की पूरी लिस्ट चयन प्रक्रिया की समाप्ति के बाद उसी दिन विभाग के वेबसाइट और मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया। इससे किसी प्रकार के संदेह या दुविधा की गुंजाइश समाप्त हो गई। सभी चयनित लाभुकों का प्रशिक्षण भी प्रारंभ कर दिया गया है। उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने चयनित लाभार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि 16000 उद्यमी यदि मिलकर प्रयास करें तो एक लाख साठ हजार से अधिक लोगों को रोजगार दे सकते हैं।

उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन ने चयनित लाभार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि 16000 उद्यमी यदि मिलकर प्रयास करें तो एक लाख साठ हजार से अधिक लोगों को रोजगार दे सकते हैं।

मुख्यमंत्री कलस्टर विकास योजना

सबका साथ, सबका विकास

बड़े बाजार तक पहुँच बनाने और आधुनिक तकनीक का प्रयोग कर उत्पादन को बढ़ाने की आकांक्षा रखने वाले छोटे उद्यमियों को ताकत प्रदान करने के लिए राज्य की मुख्यमंत्री सूक्ष्म एवं लघु उद्योग कलस्टर विकास योजना है।

सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों के आधुनिकीकरण और बाजार में मजबूत भागीदारी के लिए कई बार बड़ी पूंजी की आवश्यकता महसूस की जाती है जिसे छोटे उद्यमी जुटा नहीं पाते। बड़े बाजार तक पहुँच बनाने और आधुनिक तकनीक का प्रयोग कर उत्पादन को बढ़ाने की आकांक्षा रखने वाले छोटे उद्यमियों को ताकत प्रदान करने के लिए राज्य की मुख्यमंत्री सूक्ष्म एवं लघु उद्योग कलस्टर विकास योजना है। इस योजना के तहत सामान्य सुविधा केंद्र की स्थापना पर राज्य सरकार अधिकतम ₹10 करोड़ तक का अंशदान करती है। सामान्यतः यह अंशदान कुल परियोजना लागत का 90% तक ही होता है, लेकिन विशेष परिस्थिति में यदि कलस्टर के सभी सदस्य गरीबी रेखा के नीचे के हों तो सरकार का अंशदान 100% तक किए जाने का प्रावधान है। उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन की पहल पर लखीसराय में राइस मिल कलस्टर, पूर्वी चंपारण में मेहसी सीप बटन कलस्टर तथा बथना सीप बटन कलस्टर, नालंदा जिला में कन्हैया गंज झूला कलस्टर, वैशाली जिला में काँसा पीतल कलस्टर तथा पश्चिमी चंपारण में कांसा पीतल कलस्टर लगाने की योजना बनाई गई है जिनमें मेहसी सीप बटन

कलस्टर तथा बथना सीप बटन कलस्टर में बटन उत्पादन प्रारंभ हो चुका है। कई दूसरे नए क्लस्टर के निर्माण के लिए भी प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार किया जा रहा है। सामान्य सुविधा केंद्रों की स्थापना से क्षेत्र विशेष के अनेक उद्यमियों को लाभ मिलेगा। राईस मिल कलस्टर में भी उत्पादन आरंभ हो चुका है।

कोविड-19 में रोजगार सृजन और कौशल विकास

घर-वापसी करने वाले मजदूरों को मिला नया अवसर

कोविड-19 एक बड़ी चुनौती के रूप में पूरी दुनिया में आया। बिहार के वैसे मजदूरों के लिए तो यह आफत लेकर आया जो दूसरे प्रदेशों में जाकर काम करते रहे थे। मजबूरी में उनकी घर वापसी हुई। इनके लिए रोजगार सृजन एक बड़ी चुनौती रही। उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन के निर्देश पर दूसरे राज्यों से घर वापसी करने वाले कुशल मजदूरों को स्थानीय स्तर पर रोजगार के लिए आर्थिक एवं तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला औद्योगिक नवप्रवर्तन योजना लागू की गई, जिसके लिए प्रत्येक जिले में जिला ग्रामीण विकास अभिकरण को ₹50 लाख विमुक्त किए गए। इस योजना के तहत 168 समूहों के माध्यम से 2433 कुशल श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराया गया। दूसरे प्रदेशों से वापस आए मजदूरों ने राज्य सरकार की सहायता प्राप्त करते हुए बढ़ई गिरी केंद्र, स्टील फर्नीचर निर्माण इकाई, गेट ग्रिल फेब्रिकेशन केंद्र, लेदर गुड्स निर्माण इकाई, हथकरघा बुनाई केंद्र, मशरूम उत्पादन केंद्र, खाद्य प्रसंस्करण केंद्र, पत्ता प्लेट निर्माण, कढ़ाई गिरी और बांस की वस्तुओं के उत्पादन से संबंधित इकाइयों की स्थापना की और अपने लिए अपने गृह जिले में ही रोजगार के अवसर सृजित किए। राज्य सरकार की ओर से प्रति परियोजना अधिकतम दस लाख रुपए की राशि प्रारंभिक पूंजी के रूप में उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया। चनपटिया की सर्वत्र सराहना हुई। चनपटिया मॉडल की तर्ज पर सभी जिलों में इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए काम जारी है। ●

बुनकरों को मिली बुनियादी ताकत

हथकरघा क्षेत्र में कार्यशील पूंजी

प्रति बुनकर लूम धारकों को ₹10 हजार की कार्यशील पूंजी • 11338 बुनकर हुए लाभान्वित

उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन ने भागलपुर में किया मंजूषा महोत्सव का शुभारंभ
कहा - बनारस की तर्ज पर सिल्क सेंटर के रूप में विकसित होगा भागलपुर

हस्तकरघा बुनकरों को मजबूती प्रदान करने के लिए राज्य सरकार प्रयत्नशील रही। कोविड-19 के कारण लगे प्रतिबंधों के कारण बुनकरों से बाजार छिन गया और उनकी पूंजी इधर-उधर फंसी रह गई। ऐसे में उनके पास कार्यशील पूंजी का अभाव हो गया था।

उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने हथकरघा क्षेत्र के बुनकरों को कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराने की योजना बनाई जिसके तहत हथकरघा पर यूआईडी उत्कीर्ण लूम धारकों को ₹10 हजार प्रति बुनकर के हिसाब से कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराई गई। 1100 बुनकरों को लाभान्वित करने के लिए वित्तीय वर्ष 2021-22 में इस योजना के तहत एक करोड़ 10 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई और उसे बुनकरों के बीच वितरित किया गया।

राज्य सरकार ने विद्युत करघों पर वस्त्र बुनाई करने वाले बुनकरों को राहत पहुंचाने के लिए ₹3 प्रति यूनिट की दर से विद्युत अनुदान उपलब्ध कराया। 11318 बुनकरों को इस योजना के तहत लाभ प्राप्त हुआ।

उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन कहते हैं कि बड़े उद्योगों के साथ बुनकरों और छोटे उद्योगों को लेकर भी वो फिक्रमंद रहते हैं। प्रधानमंत्री बुनकर मुद्रा योजना के अंतर्गत बैंकों के द्वारा प्राथमिकता के आधार पर जो ऋण दिया जाएगा उसके लिए दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक के द्वारा एक माह में एक करोड़ रुपए के ऋण वितरण की सहमति बनी है।

उनके विभाग में यह कार्य योजना भी तैयार की जा रही है कि कैसे बनारस की तर्ज पर भागलपुर को सिल्क सेंटर के रूप में विकसित किया जा सकता है। भागलपुर में इंडियन सिल्क एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल का क्षेत्रीय कार्यालय रेशम भवन में खुलेगा जो यहां के रेशम उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने का काम करेगा।

•

रेशम की प्रगति के लिए विशेष पहल

भागलपुर के रेशम को मिल रही नई पहचान

- बिहार में सिल्क को बढ़ावा के लिए बड़ा प्लान
- 13 करोड़ 64 लाख की लागत से भागलपुर में रेशम भवन
- रेशम कीट पालकों को बड़ी सहायता

जैसे ढाका का मलमल, वैसे भागलपुर का रेशम। प्राचीन काल से इसकी शान रही है। देश के राजा-महाराजा और धनाढ्य लोग रेशम के कपड़े पहनते रहे हैं। भागलपुर में बने रेशम के धागे और कपड़े विदेशों में भी जाते रहे हैं। रेशम के व्यापारियों एवं बुनकरों को बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार ने अनेक प्रयास किए। भागलपुर में 13 करोड़ 64 लाख की लागत से हथकरघा एवं रेशम भवन का निर्माण कराया गया जिसमें बुनकरों को वस्त्र बिक्री हेतु 72 स्टालों का प्रावधान किया गया है। आवंटित किए जाने के बाद इन स्टालों रेशम के हस्तशिल्पी, कारीगर, उत्पादक समूह आदि विपणन कर सकेंगे।

प्रदेश में रेशम उत्पादकों को उनके उत्पादों का लाभकारी मूल्य दिलाए जाने के क्रम में गुणवत्ता युक्त उत्पादों का उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए नए कृषकों को रेशम संवर्धन से जोड़ने के क्रम में लाभुक सशक्तिकरण योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है जिसके तहत कृषक गोष्ठी और सेमिनार के आयोजन के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाता है। मलवरी विकास परियोजना के तहत सहरसा, सुपौल, पूर्णिया, अररिया, कटिहार, किशनगंज और मधेपुरा जिलों में कुल 5277 किसानों के 2638 एकड़ निजी भूखंड पर मलवारी वृक्षारोपण कराया गया और 465 कृषक समूहों को सिंचाई हेतु पंपसेट की आपूर्ति की गई। 3880 कीट पालकों को कीट पालन उपस्कर भी उपलब्ध कराया गया। कोशी प्रमंडल में रेशम विकास कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए जीविका द्वारा 16 चयनित स्थानों पर नोडल सेंटर की स्थापना की गई। तसर विकास परियोजना के तहत बांका, जमुई नवादा, कैमूर, रोहतास और दूसरे जिलों में 6120 हेक्टेयर वन भूमि पर वृक्षारोपण कराया गया। 8.26 करोड़ की लागत से अग्र परियोजना केंद्र, इनारावरण और श्याम बाजार, बांका में एक-एक प्रशासनिक भवन तथा पाँच-पाँच बीजागार भवन के निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। इन्हीं केंद्रों पर 93 लाख की लागत से एक-एक ककून बैंक के निर्माण की भी स्वीकृति प्रदान की गई है। महिला थाई रीलिंग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत बांका और भागलपुर में 661 महिला थाई रीलरों को बुनियादी रीलिंग मशीन निःशुल्क उपलब्ध कराई गई। राज्य सरकार के अंडी रेशम विकास कार्यक्रम की अनुसूचित जाति उप योजना के तहत मुजफ्फरपुर जिले में कुल 200 लाभुकों का चयन कर उन्हें प्रशिक्षित किया गया। साथ ही 265 अंडी कृषकों को चयनित करते हुए उनके प्रशिक्षण की योजना बनाई गई।

सैयद शाहनवाज़ हुसैन

खादी और हस्तशिल्प के ब्रांड एंबेसडर

किसी भी उत्पाद को लोकप्रियता दिलाने में ब्रांड एंबेसडर विशेष भूमिका निभाते हैं। उत्पाद विशेष का निर्माण करने वाली कंपनियां फिल्मी सितारों और खिलाड़ियों को अपने ब्रांड का प्रमोशन करने हेतु करोड़ों रुपए का भुगतान करती हैं। लेकिन गरीब बुनकर और खादी कपड़ा का निर्माण करने वाले कारीगर चाह कर भी बड़ी हस्तियों की सेवा ले नहीं पाते। बड़ी मुश्किल से कार्यशील पूंजी और उन्नत उपकरण की व्यवस्था करने वाले कारीगर नामचीन हस्तियों को ब्रांड एंबेसडर बनने के लिए बड़ी रकम चुकाएँ भी, तो कहाँ से? रकम के अभाव में बड़े बाजार और नई पीढ़ी के उपभोक्ताओं तक पहुंच पाने की उनकी आकांक्षा मन में ही धरी रह जाती है।

बिहार के उद्योग मंत्री बनते ही सैयद शाहनवाज़ हुसैन गरीब बुनकरों और हस्तशिल्पियों के सच्चे मददगार बने। खादी के वस्त्र तो वह पहले से ही पहनते रहे हैं। बिहार का उद्योग मंत्री बनने के साथ उन्होंने बिहार के बुनकरों द्वारा बनाए गए वस्त्र धारण करना चालू कर दिया। फिर उस वस्त्र का प्रचार भी चालू किया। उनसे मिलने के लिए कोई मंत्री आए या संतरी। कोई बड़ा उद्योगपति आए या विभागीय कर्मचारी। उन्होंने सबसे कहा-खादी के वस्त्र पहनिये। बुनकरों द्वारा हथकरघा पर बनाए गए कपड़ों का इस्तेमाल कीजिए। उपहार के रूप में लोगों को मधुबनी पेंटिंग, मंजूषा पेंटिंग और सिक्की से बनाई कलाकृतियां भेंट कीजिए। फिर उन्होंने जो दूसरों से कहा, उस पर खुद भी अमल किया।

जब वह महामहिम राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जी से मिलने गए तो बिहार का हस्तशिल्प ले गए। बिहार के बुनकरों द्वारा बनाए गए शॉल से उन्हें सम्मानित किया। इसी तरह जब कभी वह केंद्र सरकार के वरिष्ठ

मंत्रियों से मिले तो उन्हें बिहार की कलाकृतियां भेंट की। सबको उन्होंने नेह के बंधन से बांधा। गृह मंत्री श्री अमित शाह जी हों या रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी। सबसे उन्होंने विनय किया। हस्तशिल्प को प्रोत्साहित किया जाए। बुनकरों और कारीगरों को ज्यादा से ज्यादा काम दिया जाए। सैयद शाहनवाज़ हुसैन के निमंत्रण पर देश के महामहिम राष्ट्रपति और देश की प्रथम महिला उल्लास और उमंग भरे वातावरण में पटना के खादी मॉल चले आए। यह अपने आप में अभूतपूर्व घटना रही। खादी मॉल में उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की मूर्ति पर माल्यार्पण तो किया ही, आधुनिक चरखे पर सूत भी काते।

सैयद शाहनवाज़ हुसैन के आग्रह पर राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी और देश की प्रथम महिला श्रीमती सविता कोविंद जी ने खादी मॉल से खादी के कपड़े और सिल्क की साड़ी भी खरीदे। पूरे बिहार ने पहली बार महामहिम राष्ट्रपति को शॉपिंग करते देखा। खादी और हस्तशिल्प के प्रति महामहिम राष्ट्रपति जी के प्रेम को देखा। इस अभूतपूर्व घटना के बाद नई पीढ़ी के मन में खादी और बिहार के हस्तशिल्प को लेकर नई दीवानगी पैदा हुई। सैकड़ों की संख्या में नई पीढ़ी के नुमाइंदे खादी की ओर उन्मुख हुए। हाथ से बने कपड़ों की गर्माहट को उन्होंने महसूस किया और साथ में ही उन्हें फैशन के अनुकूल भी पाया। सैयद शाहनवाज़ हुसैन के इस प्रयास से पूरे देश में खादी और हस्तशिल्प के सामानों की बिक्री बढ़ गई।

पटना के खादी मॉल की बिक्री दोगुनी से भी अधिक हो गई। खादी मॉल के तीसरे तले पर पहुंचकर युवा बिहार की समृद्ध कला और संस्कृति से रूबरू हुए। उन्होंने मधुबनी पेंटिंग की बारीकियों को जाना। मंजूषा पेंटिंग की विशिष्टताओं को गहराई से महसूस किया। तिनके-तिनके का प्रयोग करके बनाए गए बटुआ,पर्स और कटोरा से खुद को जोड़ा। जूट के रेशों से बनाए गए पुष्पगुच्छ को देखकर अचंभित हुए। युवाओं के मन में जूट के पर्यावरण हितैषी थैलों के प्रति रुझान जागा और लकड़ी के खिलौनों से खेलने की इच्छा जागी।

एक शाहनवाज चाह ले, तो कितना कुछ बदल सकता है। बिहार के उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन ऐसे ही हैं। सबको जमीन से जोड़े चलते हैं। सबको खादी और हस्तशिल्प के माध्यम से उनकी ही संस्कृति से रू-ब-रू कराते चलते हैं। उनके चेहरे पर हमेशा करते रहने वाली मुस्कान और दिलों में गरीबों के प्रति उफान मारती भावना के तालमेल से ही ऐसा वातावरण बनता है। ब्रांड एंबेसडर के रूप में सैयद शाहनवाज़ हुसैन को एक रुपया भी नहीं मिलता। लेकिन उनकी सक्रियता से बिहार के बुनकरों और कारीगरों को नई ताकत मिली है, नया बाजार मिला है। उनके जीवन में नया उजाला आया है। अघोषित और अवैतनिक ब्रांड एंबेसडर सैयद शाहनवाज़ हुसैन इसी उजाले से आलोकित और प्रफुल्लित हो रहे हैं।

●

शाहनवाज ने कहा- नया साल मेक इन बिहार का साल होगा, 16 हजार लाभार्थी पैदा करेंगे लाखों रोजगार
इकाइयों को आसान ऋण के लिए
मंजूर, शाहनवाज ने बैंकर्स को कहा- सुविधा
भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में नंबर 1 बना बिहार
शाहनवाज ने भागलपुरवासियों को फिर दी सौगा
कार्यक्रम
मुख्यमंत्री के नेतृत्व में नई ऊँचाइयों को छू रहा है बिहार
गांधी जी का सपना साकार कर रहे हैं नीतीश कुमार : शाहनवाज
कोरोना काल में सबसे ज्यादा
निवेश का प्रस्ताव आया: शाहनवा
छोटे बुनकरों को बड़ा बाजार देना है एक्सपो का मकसद
शाहनवाज ने कहा- नया साल मेक इन बिहार का साल होगा, 16 हजार लाभार्थी पैदा करेंगे लाखों रोजगार
बजट से उद्योग और एमएसएमई को मिलेगा जबरदस्त बूस्ट : शाहनवाज
छोटे-बड़े सभी उद्योगों को आगे लाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे : शाहनवाज
बिहार के उत्पादों की ब्रांडिंग के लिए
शिल्पकारों एवं बुनकरों को बाजार दे

राष्ट्रपति जी के भ्रमण से
खादी मॉल हुआ जगमग

खादी मॉल में महामहिम राष्ट्रपति जी के भ्रमण से युवाओं के बीच खादी ट्रेंड करने लगा। बड़ी संख्या में युवा खादी मॉल आने लगे। खादी कपड़ों की बिक्री कई गुना अधिक होने लगी।

सब को जोड़ने की जिद से नई मिसालें बनती हैं। उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन सभी के साथ दिल का रिश्ता रखते हैं। ऐसे में जब उन्होंने अपनी अंजुरी में सम्मान का पुष्पगुच्छ लेकर महामहिम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी को बिहार यात्रा के दौरान उद्योग विभाग के खादी मॉल का भ्रमण करने के लिए नेह निमंत्रण दिया तो महामहिम राष्ट्रपति भी मना नहीं कर पाए। अपनी तीन दिवसीय बिहार यात्रा के अंतिम दिन उन्होंने खादी मॉल का भ्रमण किया। राष्ट्र की प्रथम महिला श्रीमती सविता कोविंद और उनकी पुत्री स्वाति ने भी महामहिम राष्ट्रपति जी के साथ खादी मॉल का भ्रमण किया।

खादी मॉल में भ्रमण के दौरान महामहिम राष्ट्रपति जी ने सबसे पहले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए सूत का माला पहनाया। आधुनिक चरखे पर उन्होंने सूत भी काटा और फिर सपरिवार शॉपिंग भी की। मॉल से महामहिम राष्ट्रपति जी ने दो कुर्ता और दो पायजामे का कपड़ा लिया तो प्रथम महिला सविता कोविंद ने स्वयं के लिए सिल्क की साड़ी खरीदी। उनकी पुत्री स्वाति ने सूट का कपड़ा खरीदा। इस तरह महामहिम राष्ट्रपति जी का सपरिवार खादी मॉल में पधारना बिहार के लिए एक ऐतिहासिक घटना बन गई।

खादी मॉल में महामहिम राष्ट्रपति जी के भ्रमण से युवाओं के बीच खादी ट्रेंड करने लगा। बड़ी संख्या में युवा खादी मॉल आने लगे। खादी कपड़ों की बिक्री कई गुना अधिक होने लगी। सिक्की कला, मधुबनी पेंटिंग और दूसरी पारंपरिक कलाओं के प्रति युवाओं के आकर्षण में वृद्धि हुई। खादी मॉल के भ्रमण के दौरान इसकी संपूर्ण अवधारणा और प्रस्तुति से प्रसन्न महामहिम राष्ट्रपति ने कहा- ऐसा खादी मॉल तो देश के हर शहर में होना चाहिए। महामहिम राष्ट्रपति जी के खादी मॉल के भ्रमण से अभिभूत बिहार के उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने उनके भ्रमण को ऐतिहासिक घटना बताते हुए कहा कि खादी मॉल में महामहिम राष्ट्रपति जी के सपरिवार आगमन से राज्य के सभी बुनकरों में अच्छा संदेश गया है। आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में खादी को इससे काफी ताकत मिली है।

महामहिम राष्ट्रपति जी के खादी मॉल के भ्रमण से अभिभूत बिहार के उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने उनके भ्रमण को ऐतिहासिक घटना बताते हुए कहा कि खादी मॉल में महामहिम राष्ट्रपति जी के सपरिवार आगमन से राज्य के सभी बुनकरों में अच्छा संदेश गया है।

विकास के नए केंद्र बनेंगे औद्योगिक पार्क

औद्योगिक पार्कों की स्थापना करके कई राज्यों ने अच्छी प्रगति की है। उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन के नेतृत्व में बिहार अनेक नए औद्योगिक पार्कों की स्थापना की दिशा में आगे बढ़ चला है। राज्य का सबसे बड़ा औद्योगिक पार्क गया जिले के डोभी कस्बा के पास करीब 2000 एकड़ क्षेत्र में बनने जा रहा है।

औद्योगिक पार्क की स्थापना कर किसी विशेष उद्योग का समग्र विकास अपेक्षाकृत नई अवधारणा है। औद्योगिक पार्कों की स्थापना करके कई राज्यों ने अच्छी प्रगति की है। उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन के नेतृत्व में बिहार अनेक नए औद्योगिक पार्कों की स्थापना की दिशा में आगे बढ़ चला है। राज्य का सबसे बड़ा औद्योगिक पार्क गया जिले के डोभी कस्बा के पास करीब 2000 एकड़ क्षेत्र में बनने जा रहा है।

इस पार्क में सभी आधुनिक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना बनाई गई है। राष्ट्रीय राजमार्ग और रेल मार्ग से अच्छी कनेक्टिविटी के कारण इस औद्योगिक पार्क से निर्यात हेतु समुद्री पोत तक पहुंचना भी आसान रहेगा। इसी तरह मुजफ्फरपुर के मोतीपुर में 400 करोड़ रुपयों की लागत से मेगा फूड पार्क बनाने की योजना पर काम प्रारंभ किया जा चुका है। इस फूड पार्क में सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके लिए 144 एकड़ भूमि कर्णांकित की गई है। राज्य में इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर की स्थापना हेतु बेगूसराय में 200 एकड़ भूमि चिन्हित किया गया है जबकि टेक्सटाइल और रेडीमेड गारमेंट के लिए सिकंदरपुर, नवानगर (बक्सर), कुमार बाग (बेतिया), पंडौल (मधुबनी), सकरी, मोतीपुर, वाजिदपुर और मुजफ्फरपुर में 372 एकड़ भूमि कर्णांकित की गई है।

इसी तरह प्लास्टिक पार्क की स्थापना हेतु औद्योगिक क्षेत्र गोरौल में 54 एकड़ भूमि आरक्षित की गई है जबकि फार्मा एवं सर्जिकल पार्क की स्थापना हेतु मुजफ्फरपुर औद्योगिक क्षेत्र में 25 एकड़ भूमि कर्णांकित की गई है। राज्य में लेदर पार्क की स्थापना के लिए मुजफ्फरपुर में 40 एकड़ तथा खिलौना पार्क की स्थापना के लिए बेतिया के कुमार बाग में 20 एकड़ भूमि कर्णांकित की गई है। बिहार में स्मॉल मशीन मैन्युफैक्चरिंग पार्क की स्थापना की योजना भी बनाई गई है जिसके लिए मोतीपुर औद्योगिक क्षेत्र में 24 एकड़ भूमि कर्णांकित की गई है। ●

उपेंद्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान

कलाकारों का सच्चा हमसफर

उपेंद्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान प्रदेश में कला एवं शिल्प के विकास हेतु समर्पित अग्रणी संस्था है जिसकी गतिविधियों के माध्यम से शिल्पिओं, कलाकारों, कारीगरों और लघु उद्यमियों को प्रोत्साहन प्राप्त होता है। उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन के नेतृत्व में संस्थान की गतिविधियों में तेजी आई। कलाकारों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सभी प्रकार के भेदभाव की समाप्ति के लिए कलाकारों को संस्थान परिसर में ही अपनी कलाकृति को बनाने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया और वहां कलाकारों को सारी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई। फिर पारदर्शी तरीके से समिति बनाकर राज्य पुरस्कार के लिए हर संवर्ग में कलाकारों का चयन किया गया और उन्हें अंग वस्त्र, प्रतीक चिन्ह एवं नगद पुरस्कार के रुप में ₹50000 की राशि प्रदान की गई। मेधा पुरस्कार योजना के तहत कलाकारों को अंग वस्त्र और प्रतीक चिन्ह के साथ ₹20000 की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। इस योजना के अंतर्गत लगभग 200 शिल्पकारों एवं कलाकारों को सम्मानित किया गया। एक भव्य कार्यक्रम में बिहार के उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने सभी चयनित कलाकारों को पुरस्कृत किया।

संस्थान द्वारा नियमित रूप से छमाही प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया गया जिसके तहत 1093 लोगों को प्रशिक्षण दिया गया। संस्थान द्वारा पिछले एक साल में 26 रूपांकन एवं तकनीकी विकास कार्यक्रम संचालित किए गए जिसमें 892 लोगों को प्रशिक्षित किया गया। संस्थान द्वारा प्रत्यक्ष सहायता कार्यक्रम के तहत 5102 कलाकारों को टूल किट के लिए पाँच-पाँच हजार रुपये की सहायता दी गई। संस्थान द्वारा भागलपुर में मंजूषा महोत्सव और गया में हस्तशिल्प महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें करीब 750 कलाकारों और कारीगरों को अपने उत्पादों को प्रदर्शित एवं बिक्री करने का मौका मिला। संस्थान द्वारा आयोजित मेला, सेमिनार और वर्कशॉप में करीब दो करोड़ रुपयों की बिक्री हुई जबकि संस्थान द्वारा संचालित बिक्री केंद्र एवं ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से लगभग 1.25 करोड़ रुपए की सामग्री बेची गई जिससे कलाकारों और बुनकरों को लाभ मिला।

नए कलाकारों को प्रोत्साहित करने के लिए उपेंद्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान द्वारा ग्रीष्मकालीन हॉबी कैंप का आयोजन किया गया जिसमें 500 से अधिक लोगों ने विभिन्न प्रकार के क्राफ्ट की ट्रेनिंग ली। उपेंद्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान के प्रयासों से सितंबर 2021 में मंजूषा पेंटिंग को GI टैग मिला और मधुबनी पेंटिंग को पहले से प्राप्त GI टैग का नवीनीकरण किया गया।

उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन द्वारा इस संस्थान की भव्यता और प्रतिष्ठा को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। शिल्पकारों की मदद के लिए संस्थान के बजट को बढ़ाकर करीब 12 करोड़ कर दिया गया है जबकि सांसद निधि कोष से संस्थान को करीब ₹30 करोड़ रुपए प्राप्त हुए हैं जिसका उपयोग कर संस्थान परिसर में सेंट्रल प्लाजा बनाया जा रहा है जहां कलाकारों के प्रशिक्षण और बिहार की सांस्कृतिक विरासत के प्रदर्शन की व्यवस्था की जा रही है। ●

कला जगत और किताबों को मिला
उद्योग मंत्री का साथ

कहते हैं कि किसी भी देश की समृद्धि का आकलन धन-दौलत से नहीं बल्कि वहां के कला और साहित्य से किया जाना चाहिए। उद्योग मंत्री के रूप में अपने पहले वर्ष के कार्यकाल में सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने कलाकारों और साहित्यकारों को खूब मान दिया, उन्हें जमकर प्रोत्साहित किया और जब कभी भी मौका मिला तो बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को देश-विदेश के प्रमुख लोगों के पास प्रस्तुत किया। आश्चर्य नहीं कि एक शाम अचानक वह लोक गायिका इंदु देवी के घर पहुंचे और न सिर्फ उनके हाथों की बनी चाय पी बल्कि उनका नशा और शराब विरोधी प्रसिद्ध गीत भी सुना। फिर सोशल मीडिया पर उस गीत को शेयर भी किया।

लोक कलाकारों के सानिध्य में समय गुज़ारने का यह उनका कोई पहला मौका नहीं था। उद्योग विभाग की प्रदर्शनियों के उद्घाटन के क्रम में वह शिल्पकारों और बुनकरों के साथ कलाकारों से भी बड़ी दिलेरी से मिलते हैं और उनका हालचाल लेते हैं। उपेंद्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान के माध्यम से उन्होंने कलाकारों को खूब बढ़ावा दिया। मधुबनी पेंटिंग और मंजूषा पेंटिंग सहित बिहार के सभी लोक कलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए अलग से संग्रहालय बनाने की घोषणा भी की।

उनके प्रथम वर्ष में विभाग की दो संस्थाओं खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड तथा उपेंद्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान द्वारा विभिन्न आयोजनों के साथ-साथ तीन पुस्तकें भी प्रकाशित की गईं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्मदिन पर बिहार में खादी नामक पुस्तक का विमोचन पटना के खादी मॉल में किया गया जिसमें बिहार विधानसभा के अध्यक्ष अवधेश नारायण सिंह और उपमुख्यमंत्री रेणु देवी सहित अनेक गणमान्य लोगों ने भाग लिया। उपेंद्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान द्वारा प्रकाशित पुस्तक नाज-ए-मिथिला के लोकार्पण के अवसर पर विभाग ने चार प्रतिष्ठित चित्रकारों पद्मश्री दुलारी देवी, पद्मश्री बौआ देवी, पद्मश्री गोदावरी दत्त और पद्मश्री प्रो. श्याम शर्मा को आमंत्रित किया। उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन के साथ-साथ सभी चारों प्रतिष्ठित चित्रकारों ने नाज-ए-मिथिला पुस्तक का लोकार्पण किया। समारोह में उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने सभी चार वरिष्ठ चित्रकारों को सम्मानित किया। समारोह में उद्योग मंत्री ने कहा कि यह बिहार के लिए गौरव की बात है कि मिथिला कला देश की एकमात्र ज्ञात लोक कला शैली है जिसके सर्वाधिक सात कलाकार देश के प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कार से सम्मानित हैं। उनकी हर कोशिश का मकसद बिहार और बिहार की धरोहरों को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि मधुबनी पेंटिंग के पहचान देश-दुनिया में है। इस पहचान को और मजबूती मिले, इसके लिए वह लगातार कोशिश कर रहे हैं। उपेंद्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान के तत्कालीन निदेशक अशोक कुमार सिन्हा ने बिहार के 25 महानायक पुस्तक भी लिखी।

बिहार के कलाकारों को आगे बढ़ाने के लिए उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने कई दूसरे प्रयास भी किए। उन्होंने सुनिश्चित कराया कि राष्ट्रीय स्तर के मेला और प्रदर्शनी में बिहार के कलाकारों की समुचित भागीदारी हो। मधुबनी पेंटिंग के अलावा मंजूषा पेंटिंग, सिक्की कला, वेणु कला आदि के कलाकारों पर भी उन्होंने स्नेह बरसाया। महामहिम राष्ट्रपति जी, गृह मंत्री जी एवं रक्षा मंत्री जी से जब हम मिले तो उन्होंने सभी महानुभावों को बिहार की कलाकृतियां ही भेंट स्वरूप प्रदान की जिससे कलाकारों का मनोबल बढ़ा और बिहार की कला प्रतिष्ठित हुई।

बिहार इम्पोरियम और अंबापाली इम्पोरियम को मिला नया जीवन

उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने कहा कि बिहार के बुनकरों को प्रोत्साहित करने की उनकी लगातार कोशिश रही है। नए रंग और नए कलेवर में तैयार हुआ बिहार इंपोरियम राज्य के अलग-अलग हिस्सों में काम कर रहे बुनकरों, शिल्पकारों और कलाकारों के उत्पादों को बहुत बढ़िया बाजार उपलब्ध कराएगा जिससे उनकी बिक्री बढ़ेगी।

हस्तशिल्पयों, कलाकारों और लघु उद्यमियों को नियमित बाजार उपलब्ध कराने के लिए विभाग द्वारा पटना में बिहार इम्पोरियम और नई दिल्ली में अंबापाली बिहार इम्पोरियम का संचालन किया जाता है। उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन की पहल पर इन दोनों इंपोरियम के कायाकल्प का काम किया गया। नई दिल्ली के इंपोरियम में वह स्वयं तो गए ही, बिहार के अनेक दूसरे संसद सदस्यों को भी ले गए। इम्पोरियम में बिहार की संस्कृति और विरासत के अनुकूल हस्तशिल्प एवं अन्य उत्पादों की बिक्री को प्रोत्साहित किया गया।

पटना के मौर्य कंपलेक्स में अवस्थित बिहार एंपोरियम का पुनरुद्धार ₹65 लाख की लागत से किया गया। पुनरुद्धार से इंपोरियम को एक नया लुक मिला। नवीनीकृत बिहार इम्पोरियम का उद्घाटन दिनांक 29 जनवरी, 2022 को उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन द्वारा किया गया।

बिहार इंपोरियम के शुभारंभ के मौके पर उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने कहा कि बिहार के बुनकरों को प्रोत्साहित करने की उनकी लगातार कोशिश रही है। नए रंग और नए कलेवर में तैयार हुआ बिहार इंपोरियम राज्य के अलग-अलग हिस्सों में काम कर रहे बुनकरों, शिल्पकारों और कलाकारों के उत्पादों को बहुत बढ़िया बाजार उपलब्ध कराएगा जिससे उनके सामानों की बिक्री बढ़ेगी।

उन्होंने कहा कि बिहार में बड़े उद्योगों के विकास के साथ-साथ उनका ध्यान प्रदेश के दूरदराज इलाकों में काम कर रहे बुनकरों, हस्तशिल्पियों, खादी व ग्रामोद्योग से जुड़े लोगों को भी मजबूती प्रदान करने की रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में बहुत कुछ नया हो रहा है। बिहार में बड़े-बड़े उद्योग लग रहे हैं तो छोटे उद्यमियों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने कहा कि बिहार के छोटे-बड़े सभी उद्योगों को आगे ले जाने के लिए वो कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। ●

मेलों के आयोजन से
मिला बुनकरों को भरपूर मौका

मेला और प्रदर्शनी बुनकरों एवं हस्तशिल्पियों को बेहतर बाजार प्रदान करते हैं। बाजार किसी भी उत्पाद की बुनियादी जरूरत होती है। कम पूंजी के साथ कारोबार करने वाले बुनकर और कलाकार बड़े शहरों में स्थायी प्रतिष्ठान नहीं बना पाते। ऐसे में उन्हें अपने उत्पादों को आम जनता के समक्ष प्रदर्शित करने और बिक्री करने का अवसर मेला और प्रदर्शनी के माध्यम से ही मिल पाता है। उद्योग विभाग से जुड़ी हुई विभिन्न संस्थाओं द्वारा आजादी के अमृत वर्ष में 75 मेलों के आयोजन और उसमें बिहार की भागीदारी का लक्ष्य रखा गया है। इसी उद्देश्य से अलग-अलग स्थानों पर अनेक मेले आयोजित किए गए। वर्ष 2021 में नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला में बिहार ने सहभागी राज्य के रूप में अपनी जोरदार उपस्थिति दर्ज कराई और उत्कृष्ट भागीदारी के आधार पर स्वर्ण पदक प्राप्त किया। उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने खुद लोक गायक मनोज तिवारी के साथ मेला परिसर में उपस्थित होकर बिहार के कारीगरों और कलाकारों की हौसला अफजाई की। विभाग की ओर से पटना में वाणिज्य उत्सव मनाया गया। ज्ञान भवन में पांचवे इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने किया। उपेंद्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान की ओर से भागलपुर में मंजूषा महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें राज्य के शिल्पकारों द्वारा उत्पादित सामग्रियों का विपणन किया गया। दिसंबर, 2021 में पटना के गांधी मैदान में नेशनल हैंडलूम एक्सपो का आयोजन किया गया जिसमें बिहार तथा भारत के दूसरे प्रांतों के प्रतिभागियों ने अपने उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई और लाखों कमाए। खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा सिवान, आरा, मुजफ्फरपुर एवं पूर्णिया में खादी मेला का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों बुनकरों और कलाकारों ने अपने उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई। ऐसे आयोजनों के संबंध में उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन कहते हैं- बिहार में उद्योग के अवसरों का लाभ उठाएं और प्रदेश के औद्योगिक विकास में अपनी भागीदारी दें।

खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा सिवान, आरा, मुजफ्फरपुर एवं पूर्णिया में खादी मेला का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों बुनकरों और कलाकारों ने अपने उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई। उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन कहते हैं 'बिहार में उद्योग के अवसरों का लाभ उठाएं और प्रदेश के औद्योगिक विकास में अपनी भागीदारी दें।'

बिहार के उद्योग विभाग का अमृत महोत्सव

15 अगस्त,1947 को मिली स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में संपूर्ण देश में अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है । अमृत महोत्सव के संबंध में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा है कि आजादी का अमृत महोत्सव यानी आजादी की ऊर्जा का अमृत। आजादी का अमृत महोत्सव यानी स्वाधीनता सेनानियों से मिली प्रेरणाओं का अमृत। आजादी का अमृत महोत्सव यानी नए विचारों का अमृत। नए संकल्पों का अमृत। आजादी का अमृत महोत्सव यानी आत्मनिर्भरता का अमृत। आजादी का अमृत महोत्सव : देश की 75वीं वर्षगांठ। देश की 75 वीं वर्षगांठ का मतलब 75 साल पर विचार, 75 साल पर उपलब्धियां, 75 पर एक्शन और 75 पर संकल्प शामिल हैं, जो स्वतंत्र भारत के सपनों को साकार करने के लिए आगे बढ़ने की प्रेरणा देंगे।

प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुसार ही बिहार के उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने आजादी के अमृत वर्ष से संबंधित महोत्सव में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया। इस क्रम में उन्होंने बुनकरों और हस्तशिल्पियों को बड़ा बाजार उपलब्ध कराने के लिए 75 मेलों के आयोजन की रूपरेखा तैयार करवाई। वाणिज्य उत्सव में उद्यमियों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार के उत्पादों को कम से कम 75 देशों में निर्यात किया जाए।

भारतीय रेल ने आजादी के अमृत महोत्सव के तहत देश के 75 रेलवे स्टेशनों पर हस्तशिल्प प्रदर्शनी लगाने का फैसला किया तो बिहार का उद्योग विभाग उसमें सहर्ष शामिल हुआ। उपेंद्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान की ओर से 14 से 22 अगस्त 2021 के बीच पटना,गया, दरभंगा,भागलपुर,मुजफ्फरपुर और दानापुर स्टेशनों पर अस्थायी प्रदर्शनी सह बिक्री स्टॉल लगाए गए जो 75 घंटे तक चले। इस प्रयास से सैकड़ों शिल्पियों को अपने उत्पादों के प्रचार-प्रसार और बिक्री करने का मौका मिला। प्रदर्शनी का उद्घाटन बिहार के उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने किया। ●

दृढ़ संकल्प स्पष्ट नजरिया

स्टील कारोबारियों के साथ संवाद कार्यक्रम

CII के ईस्ट इंडिया सम्मिट में संबोधन

पश्चिम बंगाल होजरी एसोसिएशन के साथ बैठक

पीएम गतिशक्ति-नेशनल मास्टर प्लान का शुभारंभ

मेवाड़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के साथ बैठक

बिहार में इस वक्त हर क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है। बिहार में बड़े-बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट चल रहे हैं और इसलिए यहां स्टील इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के लिए बहुत संभावनाएं हैं। हम पूरी कोशिश करेंगे कि इंडस्ट्री की रीढ़ यानी स्टील इंडस्ट्री की दिक्कतें दूर हों और वह बिहार की औद्योगिक क्रांति में अहम भागीदारी निभाए।

सभी उद्योगपतियों के लिए फायदे का सौदा है- 'मेक इन बिहार'। उत्पादन लागत कम रखनी है तो आइए बिहार। सिर्फ बेचिए नहीं, बनाइए भी बिहार में।

बिहार को पुराने नहीं नए चश्मे से देखें। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अब तक के कार्यकाल में बदल चुका है बिहार। बिहार के पास टेक्सटाइल सेक्टर के लिए प्रशिक्षित श्रम शक्ति है तो उत्पादन लागत कम रहे, इसके अनुकूल वातावरण भी है। टेक्सटाइल हब बनाने के लिए बिहार में अनुकूल परिस्थितियां हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन और मिशन को पूरा करने में बिहार अपनी जिम्मेदारी बहुत अच्छे से निभायेगा। हमारी पुरजोर कोशिश होगी की 'पीएम गतिशक्ति-नेशनल मास्टर प्लान' का लाभ उठाते हुए औद्योगिक बिहार का संकल्प भी पूरा होगा।

बिहार पूरी तरह बदल चुका है। हम दिनों में नहीं बल्कि घंटों में उद्योगों की स्थापना के लिए फैसले ले रहे हैं। जितने उद्योगपति निवेश के लिए आए हैं, बिहार का बदला हुआ रूप देखा है। बदले हुए बिहार को देखने के लिए आप भी एक बार तो आइए बिहार में ।

पीएम गतिशक्ति से देश बनेगा आर्थिक महाशक्ति

वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के लिए देश को तैयार करने और आत्मनिर्भर भारत का संकल्प पूरा कर भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाने की दिशा में 100 लाख करोड़ की अत्यंत महत्वाकांक्षी योजना पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान केंद्रीय स्तर पर प्रारंभ किया गया है। बिहार में उद्योग विभाग को इस महत्वकांक्षी कार्यक्रम का नोडल विभाग बनाया गया है। पीएम गति शक्ति कार्यक्रम के शुभारंभ के समय से ही सैयद शाहनवाज़ हुसैन के नेतृत्व में बिहार आधारभूत ढांचा में सुधार की इस महत्वकांक्षी योजना से सक्रिय रुप से जुड़ गया है। कार्यक्रम के शुभारंभ के दिन अधिवेशन भवन में आयोजित कार्यक्रम में उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने कहा कि देश को आर्थिक महाशक्ति बनाने का सपना तो कईयों ने देखा और दिखाया लेकिन इसे हकीकत में बदलने की ताकत सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में है। गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान के माध्यम से देश के सभी इकोनामिक जोंस में प्लग एंड प्ले सुविधाओं के साथ बेहतरीन कनेक्टिविटी सुनिश्चित कर मेड इन इंडिया प्रोडक्ट्स को दुनिया के बाजार की प्रतिस्पर्धा में खड़ा करने का संकल्प नायाब और अद्वितीय है। शुभारंभ के बाद पूर्वी क्षेत्र के राज्यों का गति शक्ति कॉन्फ्रेंस भी पटना में आयोजित किया गया जिसमें बिहार के अलावा पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, झारखंड, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश राज्य तथा पूर्व मध्य रेल, पूर्व रेल, दक्षिण पूर्व रेल, ईस्ट कोस्ट रेलवे एवं अनेक केंद्रीय एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। ●

बरौनी में वरूण बेवरेज लि.(पेप्सी) का प्लांट तैयार

जल्द शुरू होगा उत्पादन

पहले चरण में 330.65 करोड़ रूपए का निवेश ● 2024-25 तक 557.29 करोड़ निवेश का ऐलान

ठीक एक साल पहले जमीन का आवंटन और एक साल के भीतर वरुण बेवरेज लिमिटेड यानी पेप्सी का बॉटलिंग प्लांट सभी निर्माण पूरा कर उत्पादन शुरु करने की तैयारी में है। बिहार के उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन के प्रयासों से न सिर्फ बिहार में उद्योग लग रहे हैं बल्कि निर्माण कार्य भी तेज रफ्तार से हो रहे हैं।

सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने बिहार के उद्योग मंत्री का पद संभालने के बाद बेगूसराय के बरौनी में बियाडा औद्योगिक क्षेत्र में वरुण बेवरेज लिमिटेड यानी पेप्सी को बॉटलिंग प्लांट के लिए जमीन उपलब्ध कराया और निर्माण तय समय पर करने का लक्ष्य दिया।

आज बरौनी में वरुण बेवरेज लिमिटेड द्वारा रु0 330.65 करोड़ के निवेश से पहले चरण का निर्माण कार्य लगभग पूरा कर लिया गया है और उत्पादन शुरु करने की तैयारी की जा रही है। दूसरे फेज में यानी 2024-25 तक रु0 226.64 करोड़ का निवेश किया जायेगा।

BIADA औद्योगिक क्षेत्र, बरौनी, बेगूसराय में वरुण बेवरेज लिमिटेड की पहले फेज में तैयार इकाई की उत्पादन क्षमता कार्बोनेटेड सॉफ्ट ड्रिंक - 128.40 लाख बॉटल्स वार्षिक, जूस बेवरेज - 52.30 लाख बॉटल्स वार्षिक, फ्रूट जूस - 94.00 लाख बॉटल्स वार्षिक, पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर - 86.70 लाख बॉटल्स वार्षिक है। दूसरे फेज में इकाई द्वारा कार्बोनेटेड सॉफ्ट ड्रिंक में अतिरिक्त 128.40 लाख वार्षिक की उत्पादन क्षमता का विस्तार किया जायेगा।

वरुण बेवरेज लिमिटेड के बेगूसराय प्लांट में पहले फेज में 550 कामगारों को प्रत्यक्ष रोजगार तथा करीब 1500 लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार सुनिश्चित हुआ है।

●

निरंतर संवाद से बनता विश्वास

समस्याओं और सुझावों को संयम के साथ सही तरीके से सुनना सही दिशा में उठाया गया पहला कदम माना जाता है। बिहार के उद्योग मंत्री बनने के साथ ही सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने छोटे-बड़े-मझोले, बुनकर और कारीगर सभी प्रकार के उद्यमियों की बातों को सुनना प्रारंभ किया। विभिन्न उद्योग संगठनों के प्रतिनिधियों और एकल उद्यमियों के लिए उन्होंने अपने कार्यालय के दरवाजे तो खोले ही, उद्यमियों के पास जाकर संवाद करने का कार्यक्रम भी प्रारंभ किया। बिहार के किसी भी शहर में गए तो उद्यमियों के संगठनों के साथ संवाद जरूर किया। कई बार ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन उद्योग संगठनों द्वारा किया गया तो कई बार राज्य सरकार की इकाई बियाडा ने अपने परिसर में संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया। इस प्रकार के संवाद कार्यक्रम में उद्योग जगत से जुड़ी सभी प्रकार की समस्याओं और सुझाव पर व्यापक चर्चा हुई जिससे नीति-निर्माण और कार्यक्रम क्रियान्वयन में मदद मिली। बड़े निवेशकों को बिहार में निवेश के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन उद्योग विशेष के वार्षिक कार्यक्रम एवं समारोहों में गए। टेक्सटाइल उद्यमियों से संवाद करने के लिए भीलवाड़ा और कोलकाता गए तो चमड़ा उद्यमियों से बात करने उनके संगठन तक पहुंचे और कानपुर, मुंबई एवं आगरा के चमड़ा व्यापारियों से बात की और उन्होंने सभी उद्यमियों को बिहार में उत्पादन करने के लिए आमंत्रित किया। बिहार के बाहर आयोजित हर कार्यक्रम में उन्होंने जोर देकर कहा- बिहार में सिर्फ सामान बेचिए नहीं, बनाइए भी। निरंतर संवाद से विश्वास का वातावरण बना है। जो उद्यमी पहले से ही बिहार में उत्पादन कर रहे हैं, उनके मन में भी उत्साह जगा है कि उनके सुझाव पर जरूरी

सुविधाएं औद्योगिक प्रांगणों में प्रदान करने का काम हुआ है। वस्तुतः इंडस्ट्रियल एरिया में आधारभूत संरचना के उन्नयन की कई योजनाएं उद्यमियों के सुझाव के आधार पर ही प्रारंभ की गई। अपने आप में यह एक अभिनव पहल है जिसका उद्योग जगत ने स्वागत किया है।

खिल उठे 25 साल से मुरझाए चेहरे

कलम की ताकत से आंसू पोंछ रहे उद्योग मंत्री

बिहार का भागलपुर रेशम नगरी के रूप में प्रसिद्ध रहा है। यहां पर बने रेशम के धागे और वस्त्र पूरे देश के साथ-साथ यूरोपीय देशों में भी भेजे जाते रहे हैं। रेशम उत्पादकों और रेशमी कपड़ों के निर्माताओं को ताकत देने के लिए बिहार राज्य औद्योगिक विकास निगम द्वारा सिल्क सिटी में बिहार स्पन सिल्क मिल की स्थापना की गई थी। एक समय था जब इस मिल में बने धागों की धाक थी और मिल के कर्मचारी बेहतर जीवन जी रहे थे। लेकिन कार्यशील पूंजी की कमी और आधुनिकीकरण के अभाव में मिल में उत्पादन बंद हुआ और कर्मचारियों के जीवन में अंधेरा छा गया।

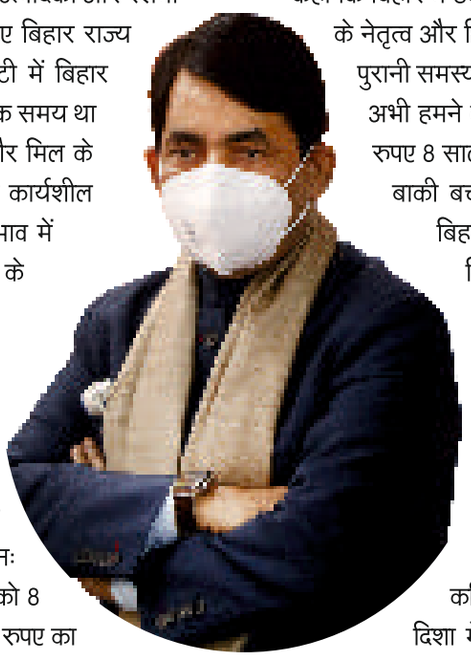

बिहार के उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन इन कर्मचारियों के जीवन में रोशनी की नई किरणें लेकर आए। उनके प्रयास से बिहार स्पन सिल्क मिल के 352 कर्मियों को 25 साल बाद वर्ष 2021 में 6 महीने का लंबित बकाया वेतन का भुगतान किया गया। पुनः जनवरी, 2022 में इस मिल के कर्मचारियों को 8 साल के लंबित वेतन के मद में 15.60 करोड़ रुपए का भुगतान बिहार राज्य औद्योगिक विकास निगम द्वारा किया गया।

भागलपुर के नवनिर्मित रेशम भवन में आयोजित कार्यक्रम में कर्मचारियों को संबोधित करते हुए उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने कहा कि बिहार में डबल इंजन की सरकार है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व और निर्देशन में हम नए उद्योगों को लगाने के साथ-साथ पुरानी समस्याओं के समाधान में भी लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि अभी हमने बीएसएसम के 352 कर्मियों के बीच 15.60 करोड़ रुपए 8 साल का बकाया वेतन के रूप में एकमुश्त दिए हैं और बाकी बचा वेतन भी उन्हें दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार स्पन सिल्क मिल के बकाया वेतन के भुगतान के लिए करीब 42 करोड़ रुपए दिए जाने हैं जिनमें से 16 करोड़ से ज्यादा की रकम दो किश्तों (6 माह का वेतन - 55 लाख और 8 साल का एकमुश्त वेतन - 15.60 करोड़) में वितरित की गई है और बाकी के वेतन के भुगतान के लिए भी रकम का बंदोबस्त किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि अपनी कलम की ताकत से लोगों के आंसू पोछने का काम करूंगा। 352 कर्मियों को 25 साल से बकाया वेतन का भुगतान उसी दिशा में उठाया गया कदम है जिससे अनेक घर-परिवार रौशन होंगे।

तीन निगमों के कर्मियों को मिला 106 करोड़

बिहार के तीन निगमों के कर्मचारियों के लिए उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन सच्चे मददगार के रूप में सामने आए। उनके प्रयास से तीन निगमों के कर्मियों को पिछले 25 सालों से लंबित वेतन के मद में 106.90 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया।बिहार राज्य हस्तकरघा एवं हस्तशिल्प निगम, बिहार राज्य वस्त्र निगम और बिहार राज्य औषधि एवं रसायन विकास निगम के 848 कर्मियों की हालत दयनीय थी। लंबी अवधि तक वेतन न मिलने के कारण जिंदगी में निराशा के बादल उमड़-घुमड़ रहे थे।

उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन के प्रयासों से तीनों निगमों के कर्मियों पहली किस्त के रुप में कुल 29.85 करोड़ रुपए के लंबित वेतन का भुगतान किया गया और फिर एक दूसरे कार्यक्रम में उद्योग मंत्री के कर कमलों से ही बाकी बचे 77.05 करोड़ का भुगतान कर दिया गया। इससे सैकड़ों कर्मचारियों की मुरादें पूरी हुई। उनके चेहरे पर खुशी के आंसू देखे गए।

तीनों निगमों के कर्मचारियों को वेतन सौंपने के बाद उन्हें संबोधित करते हुए बिहार के उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने कहा कि नीतीश कुमार की सरकार ने करीब 25 साल की नाइंसाफी को इंसाफ में बदला है। हम बिहार में उद्योगों के विकास और पूंजी निवेश को बढ़ावा देने के साथ विभाग के कर्मियों की भी चिंता कर रहे हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का नारा है-न्याय के साथ विकास। पुराने निगमों के लंबित वेतन के भुगतान से उद्योग विभाग के जरिए न्याय हुआ है।

चंडीगढ़ में CII-Northern Region मुख्यालय में पंजाब और हिमाचल प्रदेश के 20 से ज्यादा उद्योगपतियों के साथ बैठक कर उन्हें बिहार में निवेश का आमंत्रण दिया गया।

कोलकाता में पश्चिम बंगाल होजरी एसोसिएशन के साथ की बड़ी बैठक। इसमें देश के प्रतिष्ठित होजरी ब्रांड Rupa, Lux, Amul Macho, Kothari व अन्य कंपनियों के निदेशक व प्रतिनिधि मौजूद रहे।

मुंबई के रेशम भवन में स्थित SRTEPC & Synthetic & Rayon Textiles Export Promotion Council मुख्यालय में सिंथेटिक और रेयॉन टेक्सटाइल इंडस्ट्री के दिग्गज उद्योगपतियों से की मुलाकात। बैठक में उद्योगपति धीरज रायचंद शाह, भद्रेश दोधिया जी, संजीव शरण, राकेश सरावगी, राकेश मेहरा व अन्य शामिल हुए ।

दिल्ली के ताज पैलेस में काउंसिल फोर लेदर एक्सपोर्ट्स (CLE) और लेदर सेक्टर स्किल काउंसिल (LSSC) द्वारा आयोजित लेदर सेक्टर के देश के बड़े उद्योगपतियों के साथ इन्वेस्टर्स मीट में बिहार के उद्योग मंत्री श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन।

हैदराबाद में फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (FTCCI) से जुड़े उद्यमियों के साथ बैठक में उद्योग मंत्री श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने बिहार में उद्योग लगाने और निवेश के लिए आमंत्रण देते हुए दिया नारा "एक बार तो आईए बिहार में"।

टेक्सटाइल सिटी, भिलवाड़ा के टेक्सटाइल सेन्टर में उद्योगपतियों से वार्ता कर उन्हें बिहार में रोजगार लगाने के लिए आमंत्रित करते हुए उद्योग मंत्री श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन।

ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित इंडियन हैंडीक्राफ्ट और गिफ्ट फेयर-2021 में बिहार के उद्योग मंत्री श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन को सम्मानित किया गया।

बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के 94वें वार्षिक समारोह में बिहार के उपमुख्यमंत्री श्री तारकिशोर प्रसाद के साथ उद्योग मंत्री श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने भाग लिया।

बिहार इंडस्ट्रीज एसो. (BIA) के उद्योग द्वार का उद्घाटन व मेम्बर्स डायरेक्ट्री का विमोचन उद्योग मंत्री श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने किया।

उद्योग संगठन CII द्वारा आयोजित East India Summit में उद्योग मंत्री श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने भाग लिया। उन्होंने उद्योग संगठनों के साथ देश और विदेश से भी जुड़े उद्योगपतियों को संबोधित किया।

उद्योग मंत्री श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स (ICC) के डी.जी. डॉ राजीव सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की और सूबे में उद्योग के अवसरों पर विस्तार से बात की।

राष्ट्रीय जन व्यापार उद्योग संगठन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित उद्योग संवाद में हिस्सा लेते उद्योग मंत्री श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन।

बोलती तस्वीरें

बिहार के माननीय राज्यपाल श्री फागू चौहान जी से औपचारिक मुलाकात कर उद्योगों के संबंध में जानकारी देते हुए उद्योग मंत्री श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत पटना में खादी ग्रामोद्योग की कार्यशाला में उद्घाटन के अवसर पर उद्योग मंत्री श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन।

चनपटिया नवप्रवर्तन जोन में बैठक कर बेतिया जिले में चल रही उद्योग विभाग की तमाम योजनाओं की समीक्षा करते हुए उपमुख्यमंत्री श्रीमती रेणु देवी के साथ उद्योग मंत्री श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन और अपर मुख्य सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा।

नेशनल हैंडलूम एक्सपो में बुनकरों से उनके उत्पाद के संबंध में बातचीत करते हुए बिहार विधान परिषद् के सभापति श्री अवधेश नारायण सिंह, उपमुख्यमंत्री श्री तारकिशोर प्रसाद और उद्योग मंत्री श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन।

सिवान के गांधी मैदान में आयोजित खादी मेला सह प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए बिहार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री नीरज कुमार सिंह 'बबलू'।

पटना के NIFT परिसर में आयोजित क्राफ्ट बाजार का शुभारंभ उद्योग विभाग के मंत्री श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने किया। उन्होंने क्राफ्ट प्रदर्शनी में उत्पादों को देखा।

15 अगस्त, 2021 को पटना के गांधी मैदान में आयोजित स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उद्योग विभाग ने बिहार में खादी थीम पर अपनी झांकी प्रस्तुत की जिसे समारोह की तीसरी सबसे अच्छी झांकी का पुरस्कार मिला।

26 जनवरी, 2022 को गणतंत्र दिवस समारोह में उद्योग विभाग के उपेन्द्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान की ओर से बिहार में औद्योगिक विकास विषयक झांकी प्रस्तुत की गई जिसे समारोह में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ।

बिहार सरकार

उद्योग विभाग

दूसरी मंजिल, विकास भवन, पटना, www.industries.bih.nic.in | www.udyog.bihar.gov.in

टॉल फ्री नं : 1800 345 6214

उपेन्द्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान, पटना के द्वारा प्रकाशित एवं ज्ञान गंगा क्रियेशन्स, पटना द्वारा मुद्रित
वर्ष 4, अंक–7, जनवरी–मार्च, 2022 ● संपादक : दिलीप कुमार

Design & Print @ Gyan Ganga Creations # 09334110685